

2051
Bachelor of Education (General)
First Semester
Paper: 1.1 & 1.2 [Opt. (xx)]: Pedagogy of Science
(Same for USOL Candidates of First Semester)
(In all mediums)

Max. Marks: 40

Time allowed: 3 Hours.

NOTE: Attempt five questions in all, including Question No. IX (Unit-V) which is compulsory and selecting one question each from Unit I - IV.

x-x-x

UNIT - I

- I. Discuss with examples impact of advancement in science and technology on Indian society. (8)
- II. Discuss the aims and objectives of teaching science as per Bloom's Taxonomy of Educational Objectives. (8)

UNIT - II

- III. Explain project method of teaching science in detail by taking an example from high school curriculum with its advantages and limitations. (8)
- IV. Explain the Cooperative learning and Heuristic approach of teaching science. (4+4)

UNIT - III

- V. Explain the meaning of instructional resources in science. Classify instructional resources in science. (4+4)
- VI. Describe the use of any three instructional aids in science by giving criteria of their selection. (8)

UNIT - IV

- VII. Explain the concept and significance of Choice Based Credit System for discipline centered and interdisciplinary teaching learning in science. (2+6)
- VIII. Describe the meaning and basic features of MOOCs offered by different platforms and how MOOC's are different from other distance education courses. (5+3)

UNIT - V

- IX. Write short note on the following:-
 - a) Instructional objectives in behavioural terms
 - b) Use of e-books in science
 - c) Scientific attitude
 - d) Role of Science Olympiads for promotion and innovation in science education. (4x2)

x-x-x

(Hindi and Punjabi versions enclosed)

(2)

नोट: किन्तु पाँच प्रश्नों के उत्तर हैं। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक राशि का वर्णन करें। प्रश्न-9 (भाग-5) अनिवार्य है।

भाग-1

- भारतीय संसाक्षण पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति के प्रधानों की वर्णन करें। वर्णन का वर्णन करें। प्रश्न-9 (भाग-5) अनिवार्य है।
- शैक्षिक उद्देशों के स्थगन वर्णनकरण के अनुसार विज्ञान के विभिन्न और लक्षणों का वर्णन करें।

भाग-2

- हाँड़ न्यूल पाठ्यपत्रम् से उद्घाटन होते हुए विज्ञान विषयों की परिपोषणा विधि के बारे में विस्तार से वर्णाएं लगा। इसके लाभ और सम्मान भी बताएं।
- स्वामी अधिगम और विज्ञान अध्यापन के छुटिलक (अनुमानी) वृक्षिकोग भी व्याख्या करें।

भाग-3

- विज्ञान में निर्देशालाक संसाधनों का अर्थ स्पष्ट करें। विज्ञान में निर्देशालाक संसाधनों को बयानकृत करें।
- चपन के बानांड़ अध्यात्र में रखते हुए विज्ञान में कोई ही अनुदेशालाक संसाधनों के उपयोगों का वर्णन करें।

भाग-4

- विज्ञान में विषय क्षेत्रों और अंत विषय विषय अधिगम के लिए वर्णन व्याख्या नहीं बताता। इसकी की अवधारणा और महत्व का वर्णन करें।
- विज्ञान लेटर्समें हाँड़ प्रसारित गृह के अर्थ और मूलभूत विस्तैरणों का वर्णन भी करें और मूक अन्य रुपों विज्ञान पाठ्यक्रमों से कहे रित है?

भाग-5

- निम्नलिखित पर संबंधित विषयों की विविधता—
 - व्याघातिक दृष्टि से अनुदेशालाक उद्देश्य
 - विज्ञान में है-जुसकों का उपयोग
 - वैज्ञानिक वृक्षिकोग
 - विज्ञान विज्ञा में एकेन्द्रीयी और व्यवहार के लिए विज्ञान वौल्फियांग भी प्रमिका।

(3)

कैसे पूछते हैं? (भाग-5) लाचारी ही भृत्य छाता (1-4) तथा विद्यालय पूछते ही से उन्हें उठाए, मातिमां बैठक लूला पैंच पूछते हैं।

भाग-1

- उत्तरी समाज ते विद्यालय भारते उत्तरोत्तरी विच सुनती है पूछते हैं उद्घाटन तात्त्व विद्यालय-दर्शन तरे।
- मध्ये है विद्यालय सुनेहा भारत विद्यालय ए अविद्यालय से सुनेहा भवीतीतीती बरे विद्यालय बरे।

भाग-2

- हाँड़ मध्ये है पाठ्यक्रम ते उद्घाटन ते वे विद्यालय प्राचीन दी परिवर्तनता विद्यी भृत्य दिनदे लूच भृत्य सीमांदा दी वी विद्यालय बहे।
- महाली अधिग्राम भृत्य विद्यालय अविद्यालय से अनुमतीती द्वितीयेह दी विद्यालय बहे।

भाग-3

- विद्यालय विच निर्देशालाक संवेदन है अलग संघर्ष बरे, विद्यालय विच निर्देशालाक संवेदन द रसवीलट बरे।
- सेह दे भारतीया दा प्रियाल विद्यालय विच विद्यालय विच दिन निर्देशालाक संवेदन है उपरीता दा रसवल बरे।

भाग-4

- विद्यालय विच विद्या लैटिल भृत्य भृत्य-दिना प्राचीनी अधिग्राम लहे लैल अपावर्त भारतवा पूछाली दी परदा भृत्य मर्तित भृत्य दी।
- कै वैध परिवर्तनता लैल येह जीते येमेंदीमी है भरव भृत्य भृत्य विद्यालय द रसवल बरे भृत्य विद्या येह भृत्य भृत्य विद्यालय द रसवल बरे।

भाग-5

- हीला लिये पूछते हैं? (भाग-5) मैंपिप विच टिप्पेटी लिये—
 - विद्यालय द्वृप विच निर्देशालय द्वृप
 - विद्यालय विच दी-विद्यालय दी वरदे
 - विद्यालय विच दी-विद्यालय
 - विद्यालय विच उत्तरीता
